सांध्य दैनिक
4PM

मैं इसलिए दुखी नहीं हूं कि तुमने मुझसे झूठ बोला, मैं इसलिए दुखी हूं कि अब मैं तुम पर यकीन नहीं कर सकता।

-फ्रेडरिक नीत्शे

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 22 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 22 फरवरी, 2022

लखनऊ के अस्पतालों में कल... 8
अब पूर्वांचल में होगा स्टार प्रचारकों... 3
पूर्वांचल में सपा जीतेगी 125 ... 2

फ्री बिजली की घोषणा से भाजपा की बत्ती हो गयी गुलः अखिलेश

फोटोः सुमित कुमार

11 लाख सरकारी पदों पर करेंगे भर्ती नौजवानों को देंगे रोजगार

- » सपा सरकार बनने पर 300 यूनिट बिजली देंगे फ्री
- » भाजपा का जो जितना बड़ा नेता उतना बड़ा बोलता है झूठ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रयागराज में आयोजित जनसभा में भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा के जितने बड़े नेता हैं वे उतना बड़ा झूठ बोलते हैं। भाजपा ने जब से सपा की तीन सौ यूनिट फ्री बिजली की घोषणा सुनी है उसकी बत्ती गुल हो गयी है। झूठ बोलने वाले ये लोग आज फिर आपके बीच वोट मांगने आए लेकिन जनता का सपा के प्रति समर्थन बता रहा है कि भाजपा को लोहे के चने चबाने पड़ जाएंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने शिक्षा को बर्बाद कर दिया। बच्चों की शिक्षा तक चौपट हो गयी। 11 लाख सरकारी पद खाली हैं। सपा सरकार बनने पर सभी पद भरे जाएंगे। नौजवानों को रोजगार दिया जाएगा। जो गर्मी निकालने की बात कर रहे हैं उनको हम बताना चाहते हैं कि सपा सरकार नौजवानों के लिए भर्ती निकालने का काम करेगी। डीजल, पेट्रोल और सिलेंडर महंगा हो गया। परीक्षा के पेपर आउट हो गए। बीएड-टेट वालों को संघर्ष करना पड़ा। हमारी सरकार बनने पर सबकी मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि बाबा मुख्यमंत्री की भाषा सुनी। ये कुंभ की धरती है। यहां दुनिया भर के साधु-संत आते हैं और हमारे बाबा कह रहे हैं कि गर्मी निकाल देंगे। अभी तक हम केवल उनको बाबा सीएम कहते थे लेकिन एक अखबार ने नाम और रंग बदल कर दूसरों के काम को अपना बताने वाले सीएम का नाम बदल कर बाबा बुलडोजर रख दिया है। सपा सरकार बनी तो 300 यूनिट बिजली फ्री मिलेगी। जबसे भाजपा ने ये घोषणा सुनी है उनकी बत्ती गुल हो गई है। उनका ट्रांसफार्मर फुंक गया है। उन्होंने कहा कि 69000 शिक्षक भर्ती में जो घोटाला हुआ है, उसमें न्याय देने का काम सपा सरकार करेगी। जितना समर्थन मुझे यहां मिलता दिखाई दे रहा है मैं यह कह सकता हूं कि 22 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। पांचवे, छठवें चरण में ऐतिहासिक रूप से सपा सरकार बनने जा रही है। हम अपने घोषणा पत्र को पूरी तरह लागू करेंगे।

भाजपा सरकार में किया गया शिक्षक भर्ती घोटाला

बैंकों से पैसा लेकर भाग गए उद्योगपति

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि जैसे ही भाजपा की सरकार आई। बड़े-बड़े उद्योगपति भारत का पैसा लेकर भाग गए। अभी एक और उद्योगपति 28 बैंकों का हजारों करोड़ लेकर भाग गया। गरीब अगर पैसा न दे पाए तो बैंक उसे परेशान करती है लेकिन लगातार लोग पैसा लेकर भाग रहे हैं। जो पहले भागे थे वे भी कहां के थे, जो अभी भागा वह भी कहां का है, सभी जानते हैं।

महिलाओं को सरकारी नौकरी में देंगे 33 फीसदी आरक्षण

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सपा सरकार बनने पर महिलाओं को सरकारी नौकरी में 33 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। महिला शिक्षकों को उनके गृह जनपद में ही पोस्टिंग देने काम किया जाएगा। ट्राइबल लोगों को सामाजिक और आर्थिक लाभ देंगे। उनको समाजवादी पेंशन से जोड़ेंगे।

सरकार को होश ही नहीं और यूपी में सैकड़ों लोग मर गए जहरीली शराब पीकर

तीन और लोगों की मौत, 39 भर्ती

- » आजमगढ़ में देसी ठेके से खरीदी गयी थी शराब, क्षेत्र में दहशत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

- » प्रशासन ने की छह लोगों के मौत की पुष्टि

मुख्य आरोपी गिरफ्तार

आजमगढ़। प्रदेश में एक बार फिर जहरीली शराब ने लोगों की जान ले ली। आजमगढ़ में देसी ठेके की शराब पीने से मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। अभी तक छह लोगों की मौत हो गयी है जबकि 39 लोगों का इलाज चल रहा है। इसमें 15 लोगों की हालत नाजुक है। पुलिस शराब ठेके के लाइसेंसधारी रंगेश यादव को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ कर रही है। इसके पहले भी प्रदेश में सैकड़ों लोगों की जहरीली शराब से मौत हो चुकी है लेकिन सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी रही।

अहरौला थाना क्षेत्र के माहुल कस्बा स्थित देसी शराब के ठेके से रविवार की शाम शराब खरीदकर पीने के बाद दर्जनों लोग बीमार पड़ गए थे, जिसमें तीन लोगों की मौत भी हो गई थी। 41 लोगों को पहले अहरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फिर मंडलीय जिला अस्पताल में लाया गया। जिला अस्पताल में भर्ती अहरौला थाना क्षेत्र के ग्राम रजवपुर निवासी मुनिराम की सांसें थम गईं। दो अन्य मरने वालों में एक का नाम शमीम माहुल और दूसरा लालजी नाटी गांव का बताया जा रहा है। जिला अस्पताल में अब भी भर्ती 39 लोगों में 15 की हालत ज्यादा खराब है। उनके आंखों की रोशनी कम पड़ती जा रही है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. अनूप कुमार सिंह ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शराब पीने वालों को रविवार देर रात बेचैनी, उल्टी-दस्त के बाद आंखों से कम दिखने पर जहरीली शराब पीने की बात सामने आई थी। इसके पहले झब्बू सोनकर (52) निवासी कस्बा माहुल, रामकरन (62) व रामप्रीत निवासी दखिनगांवां की मौत हो गई। हालांकि इलाके में नौ लोगों के मरने की चर्चा है। वहीं पुलिस ने शराब दुकान के लाइसेंसधारी रंगेश यादव गिरफ्तार कर लिया गया है। एसपी अनुराग आर्य ने बताया कि रंगेश कहीं भागने की फिराक में था, लेकिन सफल नहीं हो सका। उससे पूछताछ कर मौत के सौदागरों के गिरोह के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। इस मामले में निरीक्षक नीरज सिंह, सिपाही सुमन कुमार पांडेय और राजेंद्र प्रताप सिंह को निलंबित कर दिया है।

लखनऊ कैंट सीट पर भाजपा सबसे मजबूत

भाजपा का वर्चस्व तोड़ना सपा और कांग्रेस-बसपा के लिए बड़ी चुनौती

ब्राह्मण और सिंधी-पंजाबी मतदाता तय करते हैं हार-जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के लिए सुरक्षित मानी जा रही राजधानी लखनऊ की कैंट सीट में इस बार सभी दलों ने जोर लगाया है। 1991 से अब तक यहां सिर्फ 2012 में कांग्रेस से रीता बहुगुणा जोशी ने भाजपा को हराया था। लगातार यहां भगवा परचम ही लहराया। वर्ष 2017 के चुनाव में भी रीता बहुगुणा जीती थीं, लेकिन भाजपा उम्मीदवार के रूप में। बाद में सांसद बनने पर उन्होंने जब सीट छोड़ी तो उप चुनाव में उनसे पहले तीन बार भाजपा से विधायक चुने गए सुरेश तिवारी ने जीत दर्ज की थी। इस बार यहां से कानून मंत्री ब्रजेश पाठक चुनाव लड़ रहे हैं और सपा, कांग्रेस, बसपा जैसे प्रमुख दलों के सामने उन्हें पछाड़ने की चुनौती है।

सीट पर जीत-हार का परिणाम करीब डेढ़ लाख ब्राह्मण और लगभग 50 हजार सिंधी-पंजाबी मतदाता तय करते हैं। प्रत्याशी घोषणा से पहले इस सीट को लेकर काफी राजनीतिक उथल-पुथल रही। भाजपा में रीता बहुगुणा अपने बेटे के लिए टिकट मांग रही थीं। कई अन्य दावेदार भी थे। सपा ने भी देर तक पत्ते नहीं खोले। काफी सस्पेंस के बाद मध्य क्षेत्र से विधायक व कानून मंत्री ब्रजेश पाठक को यहां से भाजपा ने प्रत्याशी बनाया। वहीं, सपा ने कई बार के पार्षद राजू गांधी पर दांव लगाया। नामांकन के अंतिम दिन तक रीता बहुगुणा के बेटे मयंक के

सपा में जाने की चर्चा रही, लेकिन बाद में अटकलें निर्मूल साबित हुईं। यही नहीं ब्रजेश पाठक के समर्थन में रीता बहुगुणा व अन्य टिकट न पाने वाले नेता क्षेत्र में वोट मांगने भी उतर चुके हैं। वहीं कांग्रेस ने यहां से 2019 का उपचुनाव लड़ चुके दिलप्रीत को फिर से उम्मीदवार बनाया है। बसपा ने अनिल पांडेय और आम आदमी पार्टी ने अजय कुमार को मैदान में उतारा है। ब्राह्मण बहुल इस सीट में 1977 से अब तक सिर्फ दो चुनावों में यानी 1991 व 1993 में सतीश भाटिया ने जीत दर्ज करायी थी। बाकी सभी चुनावों में ब्राह्मण जन प्रतिनधि ही इस क्षेत्र ने दिया है। श्रृंगारनगर निवासी क्षेत्र के सुंदरम वाजपेयी कहते हैं कि चुनाव में मुद्दा तो विकास व सुरक्षा आदि का है। इसी पर वोट देंगे। कालिदास मार्ग के पास रहने वालीं राधिका पिपलानी ने कहा कि महिला होने के नाते हमारा सबसे बड़ा मुद्दा सुरक्षा है और इसी पर हम वोट देंगे। हालांकि बारिश में जलभराव भी एक अहम मुद्दा है।

3,65,241 कुल मतदाता

ब्राह्मण	1.50 लाख
मुस्लिम	40 हजार
सिंधी/पंजाबी	50 हजार
वैश्य	25 हजार
अनुसूचित जातियां	25 हजार
क्षत्रिय/श्रीवास्तव	20 हजार
अन्य पिछड़ा वर्ग	40 हजार

2017 का परिणाम

रीता बहुगुणा जोशी,	भाजपा 95402
अपर्णा यादव,	सपा-कांग्रेस गठबंधन 61606
योगेश दीक्षित,	बसपा 26036

उप चुनाव 2019

सुरेश चंद्र तिवारी,	भाजपा 56684
मेजर आशीष चतुर्वेदी,	सपा 21256
दिलप्रीत सिंह,	कांग्रेस 19445
अरुण द्विवेदी,	बसपा 10709

भाजपा ने जो गोशालाएं बनवाईं उनमें न चारा न पानी : प्रियंका गांधी

» पीएम को नहीं पता, कितना परेशान है किसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने हरदोई जिले के माधौगंज की जनसभा में सीधे प्रधानमंत्री को निशाने पर रखा और कहा कि किसानों की परेशानी से पीएम अंजान हैं। उन्हें पता ही नहीं कि आवारा जानवरों की समस्या से किसान कितना परेशान है। उन्हें जातिवाद, आतंकवाद और धर्मवाद का बखेड़ा खड़ा करने से ही फुर्सत नहीं। कहा कि जहां कांग्रेस की सरकार है, वहां आवारा जानवरों पर नियंत्रण के बेहतर उपाय किए गए हैं। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर 12 लाख सरकारी पद भरे जाएंगे और रोजगार के आठ लाख नए अवसर पैदा करेंगे। स्वरोजगार के लिए पांच लाख रुपये तक का ऋण एक प्रतिशत ब्याज पर दिया जाएगा।

पार्टी प्रत्याशी सुभाष पाल के समर्थन में इंटर कालेज मैदान में जनसभा में महिलाओं पर अत्याचार, बेरोजगारी और किसानों की समस्या पर भाजपा को घेरा। कहा कि किसान रातभर जागकर फसलों की सुरक्षा में लगा है। पीएम को किसानों की समस्या की जानकारी तक नहीं है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार में छुट्टा जानवरों की समस्या नहीं है। कहा कि भाजपा ने जो गोशालाएं बनवाई, उनमें न चारा है और न ही पानी। भाजपा सरकार में महंगाई चारों तरफ बढ़ी है। डीजल, पेट्रोल, खाद किसानों की जरूरत की सभी वस्तुएं महंगी हुई हैं। कहा कि कांग्रेस सरकार बनने पर किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा। कांग्रेस बुनकरों को पैकेज देगी। नौजवानों के लिए जॉब कैलेंडर बनाया जाएगा, जिसमें प्रत्येक परीक्षा की तिथि, रिजल्ट की तिथि और नियुक्ति की तिथि पहले से निश्चित होगी। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी का हरदोई जाते समय कस्बा गंजमुरादाबाद में कार्यकर्ताओं ने अभिवादन किया।

छठे चरण के प्रत्याशियों के लिए राहुल गांधी करेंगे चुनाव प्रचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मणिपुर विधानसभा चुनाव और उत्तर प्रदेश विधानसभा के छठे चरण के चुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस सूची से जी-23 नेताओं के नाम नदारद हैं। कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, जयराम रमेश, पूर्व सीएम ओकराम इबोबी सिंह और कन्हैया कुमार मणिपुर विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के 30 शुरुआती प्रचारकों में शामिल हैं। पार्टी ने एक बार फिर जी-23 नेताओं की अनदेखी की है।

उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल का भी नाम गायब है। संसद सदस्य मनीष तिवारी का नाम भी पंजाब के स्टार

प्रचारकों की सूची में नहीं है। इससे पहले भी कांग्रेस ने आनंदपुर साहिब से सांसद तिवारी को पंजाब के स्टार प्रचारकों की सूची से बाहर रखा था, लेकिन उन्होंने वहां पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार किया। पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी का नाम मणिपुर के स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल हैं। हालांकि स्वास्थ्य कारणों से उन्होंने सक्रिय प्रचार से खुद को अलग कर रखा है।

सातवां चरण: 613 प्रत्याशी आजमाएंगे किस्मत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के सातवें चरण की 54 सीटों की तस्वीर साफ हो गई है। कुल 28 नामांकन वापस हुए हैं। इस चरण के लिए कुल 868 नामांकन पत्र दाखिल हुए थे, जांच में 227 पर्चे खारिज हो चुके हैं। अब मैदान में कुल 613 उम्मीदवार हैं। अंतिम चरण का मतदान सात मार्च को होगा। ज्ञात हो कि विधान सभा चुनाव के पहले चरण की अधिसूचना 14 जनवरी को जारी हुई थी। सातवें चरण में सबसे अधिक प्रत्याशी जौनपुर जिले की जौनपुर सीट पर 25 हैं, जबकि वाराणसी जिले की पिन्द्रा व शिवपुर में सबसे कम छह-छह प्रत्याशी मैदान में हैं। सोनभद्र जिले की राबर्टसगंज व भदोही जिले की ज्ञानपुर सीट पर सबसे अधिक तीन-तीन प्रत्याशियों ने अपना नाम वापस लिया है। नामांकन पत्रों की वापसी के बाद अब आजमगढ़ जिले के अतरौलिया में 10, गोपालपुर में 11, सगड़ी में 14, मुबारकपुर में 13, आजमगढ़ में नौ, निजामाबाद में 13, फूलपुर पवई में 12, दीदारगंज में 14, लालगंज में 10, मेहनगर में आठ प्रत्याशी चुनाव मैदान में बचे हैं। भदोही जिले के भदोही में 12, ज्ञानपुर में नौ, औराई में सात प्रत्याशी रह गए हैं।

बहुमत मिला तो भी लोकतांत्रिक ताकतों को साथ लेंगे : हरीश रावत

» कांग्रेस बदले की भावना से काम नहीं करेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने प्रदेश में कांग्रेस को भारी बहुमत मिलने का दावा दोहराने के साथ ही अन्य लोकतांत्रिक दलों को साथ लेकर चलने के राजनीतिक सौहार्द व सहिष्णुता का विश्वास भी दिलाया। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद कांग्रेस किसी के साथ बदले की भावना से काम नहीं करेगी।

पांचवीं विधानसभा चुनाव के लिए बीती 14 फरवरी को मतदान हो चुका है। मतदान के बाद मिल रहे रुझान से कांग्रेस उत्साहित है तो कांग्रेस के प्रदेश चुनाव

अभियान समिति के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री 10 मार्च को परिणाम आने से पहले ही जश्न के अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। बीते रोज उन्होंने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में हरी चटनी से सने नींबू, माल्टा की चाट और जलेबी की दावत दी थी। मीडिया से बातचीत में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कांग्रेस की भावी रणनीति के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि 70 में से 60 विधानसभा सीटों पर मिले फीडबैक के आधार पर उन्हें 48 सीट आने की उम्मीद है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

पूर्वांचल में सपा जीतेगी 125 सीटें : राजभर

» भाजपा की विदाई किसानों ने पहले ही कर दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वर्ष 2017 का विधानसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर लड़ने वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) इस बार सपा गठबंधन में शामिल है। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहते हैं कि यह पार्टी समाज में नफरत के बीज बो रही है। वह कहते हैं कि अभी उन इलाकों में चुनाव हुआ है जहां 13 महीने किसानों ने तीन कृषि कानून के खिलाफ धरना दिया।

यहां किसान भाजपा की विदाई के लिए तैयार बैठे थे। भाजपा सरकार ने पांच साल केवल मुस्लिम, यादव व दलित वर्ग को टारगेट किया है। इसलिए मुस्लिमों ने

संगठित होकर सपा गठबंधन को वोट दिया। दलित तबके में जो पढ़े लिखे या नौकरी करने वाले लोग हैं, इन लोगों को यह बात समझ में आ गई कि आरक्षण सरकारी संस्थाओं में है और मोदी जी सरकारी संस्थाओं को बेच रहे हैं। आरक्षण खत्म कर रहे हैं। इसलिए दलितों ने भी भाजपा के खिलाफ मतदान किया है। राजभर बताते हैं कि भाजपा ने महंगाई कम करने का वादा किया था लेकिन महंगाई बढ़ गई। गैस सिलेंडर 400 से एक हजार रुपये हो गया। अरहर की दाल 97 से बढ़कर 125 से ऊपर हो गई। 50 रुपये वाला सरसों का तेल आज 200 रुपये हो गया। कोरोना में जनता दवा, बेड, ऑक्सीजन के लिए परेशान थी। आवारा पशु भी बहुत बड़ी समस्या हैं। पूर्वांचल में सपा 125 सीटें जीतेगी। पहले दो चरणों में 113 सीटों में 90 से 95 सीटें मिलने की उम्मीद है। तीसरे चरण का चुनाव सपा के गढ़ में था, इसमें भी 50 सीटों से अधिक मिलने की उम्मीद है। भाजपा जब बृजेश सिंह को टिकट देकर एमएलसी बनाती है तो कोई सवाल नहीं उठता है। संगीत सोम व सुरेश राणा से कम मुकदमे अब्बास पर हैं। अब्बास के ऊपर जो मुकदमे लिखे गए वह बदले व नफरत की भावना से योगी सरकार ने लिखाए हैं।

अब पूर्वांचल में होगा स्टार प्रचारकों का जुटान

बनारस में तीन मार्च को अखिलेश और ममता की जनसभा

» भाजपा को घेरने के लिए रोड शो की भी तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वाराणसी समेत पूर्वांचल के नौ जिलों में सातवें चरण में मतदान होना है। जैसे-जैसे वोटिंग की तिथियां करीब आ रही हैं सियासी पारा भी ऊपर चढ़ रहा है। अब तक वोटरों को रिझाने के लिए दलों ने स्थानीय और इलाकाई नेताओं को कमान सौंप रखी थी, लेकिन अब स्टार प्रचारकों का जुटान होगा। तीन मार्च को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की वाराणसी में संयुक्त जनसभा होगी।

इस आशय का पत्र प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने जारी कर दिया है। अखिलेश और ममता के कार्यक्रम की सूचना मिलने के बाद सियासी सरगर्मी शुरू हो गई है। समाजवादी पार्टी की ओर से इनकी जनसभा के लिए स्थल और रोड शो की तैयारी की जा रही है। सपा जिलाध्यक्ष सुजीत यादव ने बताया कि संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाजिदपुर और सीरगोवर्धन में सभा कराने का विचार किया गया है। इसके अलावा और भी जनसंपर्क के कार्यक्रम होंगे। रोड शो सहित अन्य कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए 22 को बैठक बुलाई गई है।

पूर्वांचल में गृहमंत्री अमित शाह के हाथ होगी भाजपा की कमान

पूर्वांचल की सियासी जमीन पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए विधानसभा चुनाव में भाजपा की कमान गृह मंत्री अमित शाह संभालेंगे। तीसरे चरण का मतदान पूरा होने के बाद अब काशी और गोरक्ष क्षेत्र के विधानसभा सीटों पर प्रचार की रणनीति तय की जा रही है। भाजपा के दिग्गज नेता न सिर्फ जनसभा और रैली करेंगे, बल्कि रोड शो के जरिए जनता के बीच भी जाएंगे। प्रधानमंत्री 23 और 24 फरवरी को काशी क्षेत्र के पांच जिलों में रैली कर यहां के चुनाव प्रचार अभियान को धार देंगे। भाजपा ने काशी क्षेत्र की विधानसभाओं में प्रचार अभियान की रणनीति तैयार की है। दरअसल, वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले से ही पूर्वांचल की सियासत पर तगड़ी पकड़ बना चुके गृहमंत्री अमित शाह काशी और गोरक्ष क्षेत्र की रणनीति बनाएंगे। भाजपा के उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो गृहमंत्री फरवरी के अंतिम सप्ताह से काशी को केंद्र बनाकर प्रवास भी करेंगे।

वाराणसी की आठ सीटों में से चार पर सपा प्रत्याशी

इसकी जिम्मेदारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा और उनके साथ सयुस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास यादव को दी गई है। पार्टी के दूसरे नेताओं के अनुसार ऐसी जगह सभा कराने पर विचार किया जा रहा है जहां से पूर्वांचल के अन्य जिलों के वोटरों को भी साधा जा सके। वाराणसी की आठ सीटों में से चार पर सपा प्रत्याशी हैं जबकि बाकी चार पर गठबंधन के प्रत्याशी हैं। इनमें दो सीटों पर सुभासपा और दो पर अपना दल कमेरावादी गठबंधन के प्रत्याशी हैं। इनके अलावा पूर्वांचल के अन्य जिलों में भी सपा और गठबंधन के प्रत्याशी हैं। उधर आठों विधानसभा क्षेत्रों में अपने नेताओं के आगमन की जानकारी के बाद पार्टी कार्यकर्ता तैयारी में लग गए हैं।

चुनावी रणनीति तैयार

ममता और अखिलेश की सभा से पहले चुनावी रणनीति को लेकर सपा की बैठक में कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। पार्टी कार्यालय में हुई बैठक में महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने बताया कि अंतिम चरण में होने वाले मतदान के पहले बूथों को मजबूत करना है। इसके लिए हर बूथ पर यूथ को रहना है। पार्टी के बेस वोटों के अलावा सर्वसमाज के वोटों पर ध्यान देना है। जिलाध्यक्ष सुजीत यादव ने भी अपनी कोर टीम को चुनावी रणनीति के बारे में बताया।

यूपी चुनाव: दिग्गज ओबीसी नेताओं की होगी परीक्षा, दांव पर प्रतिष्ठा

अनुप्रिया, ओमप्रकाश राजभर, संजय निषाद के सामने बड़ा लक्ष्य

» कई नेता चुनाव में ठोक रहे हैं ताल, अपनी पार्टी को मजबूत करने की चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में पिछड़ी जाति के दिग्गज नेताओं की असली परीक्षा पूर्वांचल में होगी। विभिन्न दलों के पिछड़े नेता खुद को अपनी-अपनी जाति का वास्तविक नेता होने का दम भर रहे हैं। इसमें कई चुनाव मैदान में हैं। माना जा रहा है कि पूर्वांचल में इस बार अनुप्रिया पटेल, डॉ. संजय निषाद, ओमप्रकाश राजभर, स्वामी प्रसाद मौर्य, दारा सिंह चौहान जैसे पिछड़े वर्ग के चेहरे की असली परीक्षा होगी।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर चुनाव मैदान में है। पार्टी का गठन 2002 में हुआ था मगर खाता खुला 2017 के विधान सभा चुनाव में। तब गठबंधन के तहत भाजपा ने सुभासपा को आठ सीटें दी थीं। इनमें से चार पर वह विजयी रहे और आठों सीटों पर 34.14 फीसदी वोट मिला था। इस बार सुभासपा सपा के साथ मिलकर भाजपा के खिलाफ मैदान में है। ओमप्रकाश की पूरी सियासत राजभर के अलावा बिंद, कुम्हार, प्रजापति, कुशवाहा, कोइरी जैसी पिछड़ी जातियों पर केंद्रित है और इन्हीं जातियों से जुड़े मुद्दे वे चुनाव में उठाते हैं। इस बार ओमप्रकाश और उनके बेटे अरविंद राजभर चुनाव मैदान में हैं। अरविंद को प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी की शिवपुर सीट से योगी सरकार में मंत्री व सजातीय नेता अनिल राजभर के खिलाफ उतारा गया है। एक ही जाति का होने के चलते दोनों नेताओं की कड़ी परीक्षा होगी। ओमप्रकाश जहूराबाद मे भाजपा के कालीचरण राजभर व सपा सरकार में मंत्री रहीं बसपा उम्मीदवार शादाब फातिमा से त्रिकोणीय मुकाबले में फंस गए हैं। सपा ने सुभासपा को 18 सीटें दी हैं यानी पिछली बार की तुलना में इस बार उनकी कठिन अग्निपरीक्षा होगी।

दूसरी ओर खुद को निषादों के नेता के रूप में प्रचारित करने वाले भाजपा के सहयोगी डॉ. संजय निषाद का दावा है कि 403 में से 160 सीटों पर निषादों का प्रभाव है। इनमें से अधिकांश सीट पूर्वांचल में हैं। कोई भी दल उनके सहयोग के बिना चुनाव नहीं जीत सकता। हालांकि पिछले चुनाव में संजय निषाद ने पार्टी के सिंबल पर 72 उम्मीदवार उतारे थे मगर सिर्फ 3.58 फीसदी वोट ही हासिल कर सके। उनकी पार्टी एकमात्र सीट ज्ञानपुर ही जीतने में कामयाब रही। हालांकि कहा जाता है कि यह जीत भी बाहुबली विजय मिश्रा ने अपने बल पर जीता था। इस बार निषाद पार्टी को भाजपा ने 16 सीटें दी हैं। इन पर कामयाबी हासिल करने के लिए संजय निषाद को कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। अब बात कुर्मी नेता और अपना दल (एस) की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल की। पूर्वांचल में कुर्मी जाति की काफी संख्या है और अनुप्रिया को ही इनका सर्वमान्य नेता माना जाता है। 2017 के चुनाव में अनुप्रिया की पार्टी 11 सीटों पर चुनाव लड़ी थी और उसके 9 प्रत्याशी जीते थे। अपना दल को 11 सीटों पर 39.21 फीसदी वोट मिले थे। इस बार अपना दल को हिस्सेदारी में 17 सीट मिली है इसलिए अनुप्रिया के सामने इन सभी सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों को जिताने के अलावा उन सीटों पर भाजपा को भी चुनाव जिताने की चुनौती होगी, जिन पर कुर्मी मतदाता अधिक हैं।

स्वामी प्रसाद, दारा व कृष्णा के सामने भी चुनौती

स्वामी प्रसाद मौर्या और दारा सिंह चौहान को भी अग्नि परीक्षा देनी होगी। दोनों नेता इस बार सपा के प्रत्याशी के तौर पर चुनाव मैदान में हैं। वहीं अपना दल (कमेरावादी) की अध्यक्ष कृष्णा पटेल व उनकी बेटी पल्लवी पटेल भी सपा के साथ चुनाव लड़ रही हैं। तीनों नेताओ भी इस चुनाव में खुद के साथ अपने सजातीय उम्मीदवारों को चुनाव जिताने की चुनौती है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आतंकियों के हाथ अमेरिकी हथियार

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद जिस बात की आशंका थी वह सच होने लगी है। एक ओर आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में सक्रिय हैं वहीं दूसरी ओर इन्हें अफगानिस्तान में छोड़े गए अत्याधुनिक अमेरिकी हथियार पीओके के रास्ते मुहैया कराए जा रहे हैं। पीओके में आतंकी कैंपों की संख्या फिर बढ़ने लगी है। यहां अफगानिस्तान में सक्रिय आतंकी भी दिखने लगे हैं।

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद जिस बात की आशंका थी वह सच होने लगी है। एक ओर आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में सक्रिय हैं वहीं दूसरी ओर इन्हें अफगानिस्तान में छोड़े गए अत्याधुनिक अमेरिकी हथियार पीओके के रास्ते मुहैया कराए जा रहे हैं। पीओके में आतंकी कैंपों की संख्या फिर बढ़ने लगी है। यहां अफगानिस्तान में सक्रिय आतंकी भी दिखने लगे हैं। सवाल यह है कि क्या अब अफगानिस्तान के आतंकी भी घाटी में घुसने की फिराक में हैं? क्या पाक-अफगान आतंकियों का गठजोड़ गंभीर खतरा बन सकता है? घाटी में बढ़ते आतंकी हमले क्या इसी ओर इशारा कर रहे हैं? क्या सुरक्षा बलों के पास इससे निपटने के लिए कोई रणनीति है? क्या पाकिस्तान के इशारे पर अफगानिस्तान के आतंकी संगठन भारत में आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं? हर बार मुंह की खाने के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज क्यों नहीं आ रहा है? क्या स्थानीय स्लीपर सेल इन विदेशी आतंकियों को मदद पहुंचाने का काम कर रहे हैं? क्या स्लीपर सेल को खत्म किए बिना घाटी में शांति स्थापित की जा सकती है?

अमेरिकी सेना की अफगानिस्तान से वापसी के बाद तालिबान ने यहां अपना शासन स्थापित कर लिया है। अमेरिकी सेना ने वापसी के समय यहां करीब छह लाख छोटे और अत्याधुनिक हथियार छोड़ थे। ये सभी हथियार तालिबान के हाथ लगे हैं। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के पीछे पाकिस्तान का हाथ रहा है और वह यहां के आतंकियों के जरिए जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने की चाल चल रहा है। तालिबान के आने के बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने यह आशंका जताई थी कि अमेरिका द्वारा छोड़े गए हथियारों का इस्तेमाल आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में कर सकते हैं। पिछले दिनों आतंकियों के पास से मिले हथियार इसकी पुष्टि भी कर रहे हैं। यही नहीं अफगानिस्तान और पाकिस्तान के आतंकी संगठनों ने गठबंधन भी कर लिया है और वे भारत में घुसकर बड़े हमले को अंजाम देने की फिराक में हैं। वहीं जिस तरह कश्मीर में आतंकी हमले बढ़े हैं उससे भी इसकी पुष्टि होती है। सीमापार आतंकी कैंपों में भी हलचल बढ़ गयी है और कश्मीर में आतंकियों के स्लीपर सेल इनकी पूरी मदद कर रहे हैं। जाहिर है सुरक्षा बलों को न केवल बेहतर रणनीति बनानी होगी बल्कि इन आतंकियों से निपटने के लिए आक्रामक मोड पर भी रहना होगा। घाटी में आतंक को समाप्त करने के लिए सबसे पहले यहां रह रहे आतंकियों के स्लीपर सेल को समाप्त करना होगा अन्यथा स्थितियां बदतर हो जाएगी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नेताओं के पलायन से कमजोर होती कांग्रेस

ललित गर्ग

कांग्रेस आज उस मोड़ पर खड़ी है जहां एक समस्या समाप्त नहीं होती, उससे पहले अनेक समस्याएं सामने आ जाती हैं। कांग्रेस के भीतर की अन्दरूनी कलह एवं विरोधाभास नये-नये चेहरों में सामने आ रही है। अनेक कद्दावर नेता पलायन कर रहे हैं। हाल में मनमोहन सिंह सरकार में कानून मंत्री रहे अश्विनी कुमार ने भी कांग्रेस छोड़ दी। इससे पहले आरपीएन सिंह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गए थे। इसके पहले जितिन प्रसाद भी इसी राह पर चले थे और ज्योतिरादित्य सिंधिया भी। पंजाब के मुख्यमंत्री रहे अमरिंदर सिंह को जिस अपमानजनक तरीके से मुख्यमंत्री पद से हटाया गया, उसके बाद उनके सामने कांग्रेस छोड़ने के अलावा और कोई उपाय नहीं रह गया था।

अश्विनी कुमार ने पार्टी छोड़ने की घोषणा करने के कारणों का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी में नेतृत्व की कमी है। कांग्रेस खुद को फिर से स्थापित करने में असमर्थ रही है और लगातार रसातल की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में कहा, 'इस मामले पर विचार करने के बाद, मैंने ये निष्कर्ष निकाला है कि मौजूदा हालात और अपनी गरिमा को ध्यान में रखते हुए मैं पार्टी के बाहर बड़ी राष्ट्रीय समस्याओं की सबसे अच्छी तरह से सेवा कर सकता हूं।' अश्विनी कुमार जी-23 कहे जाने उस समूह का हिस्सा नहीं थे, जिसके नेता कांग्रेस नेतृत्व के तौर-तरीकों पर सवाल उठाते रहे हैं। वह गांधी परिवार के करीबी थे और जी-23 के नेताओं की ओर से उठाए जाने वाले कई मुद्दों से असहमत भी थे। उनके पार्टी छोड़कर जाने के बाद कांग्रेसजन यह कह सकते हैं कि वह व्यापक जनाधार वाले कोई बड़े नेता नहीं थे लेकिन सवाल यह है कि आखिर पार्टी में ऐसे कितने नेता बचे हैं, जो बड़ा जनाधार रखते हैं? उन कुछेक जनाधार वाले नेताओं की भी पार्टी में क्या स्थिति है? बड़ा प्रश्न है कि क्या एक के बाद एक नेताओं के पार्टी छोड़कर जाने से गांधी परिवार की सेहत पर कोई असर पड़ने वाला है? कायदे से तो उसे उन कारणों की तह तक जाना चाहिए, जिनके चलते उसके नेता पार्टी छोड़कर जा रहे हैं, लेकिन इसमें संदेह है कि वह ऐसा कुछ सोचेगी एवं उन कारणों पर मंथन करेंगी। उसके सामने बड़ी चुनौतियां हैं, उनका मुकाबला नरेन्द्र मोदी जैसे नेता एवं भाजपा जैसी अनुशासित पार्टी से हैं। कांग्रेस की लगातार गिरती साख एवं जनाधार के साथ पार्टी के भीतर पनप रहे असंतोष के उन कारणों की तह तक जाना होना, जिनके चलते

उसके नेता पार्टी छोड़कर जा रहे हैं। इसका एक कारण यह है कि आज कांग्रेस में उन्हीं का बोलबाला है, जो गांधी परिवार को खुश रख रहे हैं। दूसरा खुद यह परिवार किसी राजघराने जैसा व्यवहार कर रहा है। वह बार-बार यह अहसास कराती रही है कि इस देश पर शासन करना उसका जन्मसिद्ध अधिकार है और पिछले दो लोक सभा चुनावों में देश की जनता ने कांग्रेस को नकार कर बड़ी गलती कर दी है। पार्टी नेतृत्व का यह अहंकार बहुत घातक सिद्ध हो रहा है। इसी से असंतुष्ट नेताओं का हौसला बढ़ रहा है, उनके विरोध की धार को तेज कर रहा है, उन्हें पार्टी छोड़ने को विवश कर रहा है। राहुल गांधी को लेकर किये जा रहे सवाल पर गांधी परिवार की चुप्पी का इरादा केवल मुद्दे को टालना है, कुछ करने का इरादा न पहले था और न अब दिख रहा है। यह स्थिति पार्टी के लिये भारी नुकसानदायी साबित हो रही है। शायद यही कारण है कि कांग्रेस नेतृत्व अपनी खामियों पर गौर करने के लिए तैयार नहीं।

आजाद भारत में सर्वाधिक लम्बे समय शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी की इस स्थिति का कारण पुत्र-मोह है। सत्ता और पुत्र के मोह में इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगाई। आज सोनिया गांधी भी ऐसे ही पदचिन्हों पर चलते हुए पार्टी के अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधला रही है। ऐसे क्या कारण बन रहे हैं कि कांग्रेस की राजनीति के प्रति लोगों के मन श्रद्धा से झुक नहीं रहे हैं क्योंकि वहां किसी भी मौलिक मुद्दों पर स्थिरता नहीं, जहां स्थिरता नहीं वहां विश्वास कैसे संभव है? प्रश्न एक परिवार का नहीं, बल्कि देश की 130 करोड़ आबादी का है। बदलती नीतियां, बदलते वायदे, बदलते बयान कैसे थाम पाएगी करोड़ों की संख्या वाले देश का आशाभरा विश्वास जबकि वह पार्टी के बुनियादी नेताओं के विश्वास को भी कायम रखने में नाकाम साबित हो रही है। इसलिये वक्त की नजाकत हो देखते हुए कांग्रेस के सभी जिम्मेदार तत्व अपनी पार्टी के लिये समय को संघर्ष में न बिताये, पार्टी-हित में सृजन करें। सशक्त लोकतंत्र में सशक्त विपक्ष का होना जरूरी है और अभी तक कांग्रेस के अलावा अन्य विपक्षी दलों में यह पात्रता सामने नहीं आ रही है।

अब खेतों में भी उगेगी वैक्सीन

मुकुल व्यास

चौंकिए मत। वैज्ञानिक ऐसी वैक्सीन बना रहे हैं जिन्हें खेतों में उगाया जा सकेगा और खाद्य वस्तुओं की तरह खाया जा सकेगा। अमेरिका में रिवरसाइड स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (यूसीआर) के वैज्ञानिक यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या लेटस (सलाद) पत्तों को एमआरएनए वैक्सीन की फैक्टरियों में बदला जा सकता है। कोविड वैक्सीनों में प्रयुक्त मैसेंजर आरएनए या एमआरएनए टेक्नोलॉजी में मुख्य रूप से कोशिकाओं को रोगाणुओं को पहचानने और संक्रामक रोगों से बचाव करने के बारे में शिक्षित किया जाता है। इस टेक्नोलॉजी के प्रयोग में सबसे बड़ी चुनौती इसे परिवहन और स्टोरेज के दौरान ठंडा रखने की है। वैक्सीन के स्थायित्व के लिए निम्न तापमान जरूरी है। यदि विज्ञानियों का नया प्रोजेक्ट सफल हो जाता है तो पौधों पर आधारित खाने योग्य एमआरएनए वैक्सीन इस समस्या को दूर कर सकती है। इस तरह की वैक्सीनों को कमरे के तापमान पर स्टोर किया जा सकता है।

अमेरिका की नेशनल साइंस फाउंडेशन से पांच लाख डॉलर के अनुदान से शुरू किए गए प्रोजेक्ट के तीन मुख्य उद्देश्य हैं। पहला, क्या एमआरएनए से युक्त डीएनए को पौधे की कोशिकाओं के उस हिस्से में पहुंचाया जा सकता है जहां वह रिप्लीकेट कर सके। दूसरा, यह सिद्ध करना कि पौधे एक पारंपरिक वैक्सीन की बराबरी करने के लिए समुचित एमआरएनए उत्पन्न कर सकते हैं और तीसरा, पौधा आधारित वैक्सीन की सही खुराक का निर्धारण। यूसीआर में वनस्पति विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर जुआन पाब्लो गिराल्डो ने कहा कि एक पौधे द्वारा उत्पादित एमआरएनए से एक व्यक्ति को वैक्सीन की खुराक दी जा सकेगी। गिराल्डो इस शोध का नेतृत्व कर रहे हैं। इस शोध में सेन डियागो स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय और कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय के विज्ञानी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि हम पालक और लेटस के साथ नयी टेक्नोलॉजी का परीक्षण कर रहे हैं। हमारी कोशिश यह रहेगी कि लोग आगे चल कर अपने बगीचों में ही वैक्सीन के पौधे उगाएं।

भविष्य में किसान भी अपने सारे खेत में वैक्सीन वाले पौधे उगा सकते हैं। इस टेक्नोलॉजी में सबसे अहम भूमिका पौधे की कोशिकाओं में पाए जाने वाले क्लोरोप्लास्ट की है। क्लोरोप्लास्ट सूरज की रोशनी को ऊर्जा में बदल देते हैं, जिसका प्रयोग पौधा करता है। ये दरअसल सौर ऊर्जा से चलने वाली सूक्ष्म फैक्टरियां हैं जो शुगर और दूसरे मॉलिक्यूल उत्पन्न करती हैं, जिनसे पौधे का विकास होता है। इन फैक्टरियों का प्रयोग वांछित मॉलिक्यूल उत्पन्न करने के लिए भी किया जा सकता है। पिछले अध्ययनों में गिराल्डो यह दर्शा चुके हैं कि क्लोरोप्लास्ट ऐसे जीनों को अभिव्यक्त कर सकता है जो स्वाभाविक रूप से पौधे का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने और उनके सहयोगियों ने पौधों की कोशिकाओं में बाहरी आनुवंशिक सामग्री भेज कर ऐसा कर दिखाया। अपने प्रोजेक्ट के लिए उन्होंने नैनो इंजीनियरिंग की प्रोफेसर निकोल स्टीनमर्ट्ज से सहयोग लिया। स्टीनमर्ट्ज और उनके सहयोगियों ने आनुवंशिक सामग्री को क्लोरोप्लास्ट में पहुंचाने के लिए नैनो टेक्नोलॉजी विकसित की है। स्टीनमर्ट्ज ने बताया कि हम पौधों में जीन पहुंचाने के लिए पौधों के वायरसों का प्रयोग करना चाहते हैं जो कुदरती रूप से पाए जाने सूक्ष्म कण अथवा नैनो पार्टिकल हैं। इन वायरसों को क्लोरोप्लास्ट में पहुंचाने और उन्हें पौधों के प्रति असंक्रामक बनाने के लिए कुछ तकनीकी फेरबदल की जरूरत पड़ती है।

कुछ वैज्ञानिकों का ख्याल है कि हमें पौधों पर आधारित वैक्सीन विकसित करने के लिए अधिक प्रयास करने चाहिए। कनाडा में क्यूबेक स्थित लवाल विश्वविद्यालय के दो शोधार्थियों, फास्टर-बोवेंडो और गेरी कोबिंगर का कहना है कि इस तरह की वैक्सीन 'मॉलिक्यूलर फार्मिंग' के जरिए बनाई जा सकती है। इस विधि में पौधे की कोशिका में डीएनए रखा जाता है जो प्रोटीन बनाता है। इस कोशिका का उपयोग वैक्सीन बनाने के लिए किया जाता है। वैक्सीन आम तौर पर बैक्टीरियाई सिस्टम में उत्पन्न की जाती हैं और वे बहुत असरदार साबित हुई हैं। ऐसे सिस्टम को बायोरिएक्टर भी कहा जाता है। ऐसी वैक्सीनों की उत्पादन लागत बहुत ज्यादा होती है। वैक्सीन की बायोमैन्युफैक्चरिंग के विकल्प के तौर पर वैज्ञानिकों ने 1986 में मॉलिक्यूलर फार्मिंग का प्रस्ताव रखा था। इसके लिए वैज्ञानिकों को सिर्फ ग्रीनहाउस सेटअप की आवश्यकता पड़ती है जो बायोरिएक्टरों की तुलना में बहुत सस्ते पड़ते हैं। रिसर्चरों का कहना है कि पौधों पर आधारित वैक्सीन बनाना सस्ता पड़ेगा और इसके दूसरे लाभ भी होंगे। वैक्सीनों को बायोरिएक्टरों में तैयार करने के बजाय खेतों की फसलों में उत्पन्न किया जा सकता है। दूसरा बड़ा फायदा यह है कि पौधे मानव रोगाणुओं द्वारा संक्रमित नहीं हो सकते। पौधों पर आधारित वैक्सीन दूसरी विधियों से तैयार वैक्सीनों की तुलना में ज्यादा मजबूत इम्यून रेस्पांस उत्पन्न करती हैं। गौशे रोग के इलाज के लिए इस तरह की वैक्सीन का उत्पादन किया जा रहा है। अमेरिका के सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार फ्लू वैक्सीनों के निर्माण के लिए सबसे ज्यादा प्रचलित विधि में अंडा-आधारित विधि का प्रयोग किया जाता है। यह विधि 70 साल पुरानी है। दुनिया में कोरोना महामारी फैलने से पहले इन्फ्लुएंजा की वनस्पति-आधारित वैक्सीन का तीसरे चरण का ट्रायल शुरू हो चुका था और उसके उत्साहवर्धक नतीजे सामने आए थे।

इन चीजों पर ध्यान देकर हर कोई कर सकता है

मनी सेविंग्स

अक्सर ऐसा होता है कि हम कितनी भी कोशिशें क्यों न कर लें लेकिन फिर भी मंथ के लास्ट में हमारा बजट खराब हो ही जाता है। कुछ चीजों पर हमारा मन ललचा जाता है, तो कुछ खर्चे अचानक ही निकल आते हैं। ऐसे में कुछ मनी सेविंग्स टिप्स ऐसे होते हैं, जिन्हें फॉलो करके आप पैसे बचा सकते हैं।

ज्यादातर लोग जब उदास होते हैं तो शॉपिंग करते हैं लेकिन बेहतर होगा कि आप अपनी जरूरत को देखते हुए शॉपिंग करें

फूड बिल

कभी न कभी हम सभी को बाहर से खाना ऑर्डर करना पड़ता है, लेकिन अगर आप सप्ताह के दो दिन कुछ स्पेशल बनाने के लिए चुन लें, तो आपके ऊपर ज्यादा प्रेशर भी नहीं पड़ेगा। आपकी क्रेविंग भी शांत रहेगी और आपके पैसे भी ज्यादा खर्च नहीं होंगे।

सब्सक्रिप्शन शेयर करें

हम सभी ओटीटी प्लेटफॉर्म की वैल्यू जानते हैं। हमारे पास कितने भी एप्स का सब्सक्रिप्शन हो, लेकिन हम जानते हैं कि हम दो से ज्यादा एप्स को नहीं देख पाते। हमारे पास टाइम नहीं होता होता। पैसे बचाने के लिए। सबसे अच्छा यही होगा कि हम केवल उन्हीं प्लेटफॉर्म्स को सब्सक्राइब करें जिन्हें हम देखते हैं। दूसरा तरीका यह होगा कि आप अपने दोस्तों के साथ सब्सक्रिप्शन शेयर करें।

क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल न करें

आमतौर पर जब आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, तो बाद में पेमेंट करने के नाम पर बहुत खर्च कर देते हैं इसलिए क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल न करके डेबिट कार्ड या कैश का इस्तेमाल करें।

ऑनलाइन शॉपिंग

ऑनलाइन शॉपिंग करने से पहले आपको यह समझना जरूरी है कि आखिर आप शॉपिंग क्यों कर रहे हैं? ज्यादातर लोग जब उदास होते हैं तो शॉपिंग करते हैं लेकिन बेहतर होगा कि आप अपनी जरूरत को देखते हुए शॉपिंग करें। आप शॉपिंग के लिए सेल का भी इंतजार कर सकते हैं।

हंसना मना है

एक शराबी लेट कर गाने गा रहा था। 2-3 गाने गा कर वो उल्टा लेटकर गाने लगा... दूसरा शराबी: यार उलटा लेट कर गाने क्यूं गाने लगा। शराबी: पहले साइड 'ए' थी अब 'बी' साइड है।

एक शराबी आंखें दान करने गया, काउंटर क्लर्क ने कहा: कुछ कहना चाहते हो? शराबी: जिसे लगाओ उसे बता देना कि दो घूंट बाद खुलती है।

मां: खाना खाने के बाद आज ब्रश मत करना बंटी। बंटी: ऐसा क्यों मां? मां: इतना महंगा प्याज खाया है, आसपास वालों को तो पता चलना ही चाहिए।

टीचर: तुम देर से क्यों आए? पप्पू: सड़क पर लगे बोर्ड के कारण। टीचर: कैसे बोर्ड के कारण? पप्पू: जिस पर लिखा है, आगे स्कूल है, कृपया धीरे चलें।

एक डॉक्टर एक युवती का वजन करने के बाद बोला-आपको तुरंत अस्पताल में दाखिल हो जाना चाहिए। युवती-लेकिन डॉक्टर साहब मुझे तो कुछ भी नहीं हुआ। डॉक्टर-हां! पर आपका वजन कल से एक किलो कम हो गया है? युवती-डॉक्टर साहब घबराने की कोई बात नहीं है, मैंने आज मेकअप जो नहीं किया।

कहानी — मौत की सजा

बीजापुर के सुल्तान इस्माइल आदिलशाह को डर था कि राजा कृष्णदेव राय अपने प्रदेश रायचूर और मदकल को वापस लेने के लिए हम पर हमला करेंगे। उसने सुन रखा था कि राजा ने अपनी वीरता से कोडीवडु, कोंडपल्ली, उदयगिरि, श्रीरंगपत्तिनम, उमत्तूर और शिवसमुद्रम को जीत लिया था। सुलतान ने सोचा कि इन दो नगरों को बचाने का एक ही उपाय है कि राजा कृष्णदेव राय की हत्या करवा दी जाए। उसने बड़े इनाम का लालच देकर तेनालीराम के पुराने सहपाठी और उसके मामा के संबंधी कनकराजू को इस काम के लिए राजी कर लिया। बड़े इनाम के लालच में आकर कनकराजू राजा की हत्या करने के इरादे से तेनालीराम के घर पहुंचा। तेनालीराम ने जब अपने मित्र कनकराजू को देखा तो बड़ा प्रसन्न हुआ और अपने मित्र का खुले दिल से स्वागत किया। उसकी खूब आवाभगत की और अपने घर में उसे ठहराया। एक दिन जब तेनालीराम काम से कहीं बाहर गया हुआ था तब कनकराजू ने राजा को तेनालीराम की तरफ से संदेश भेजा कि आप इसी समय मेरे घर आएं तो आपको ऐसी अनोखी बात बताऊंगा जो आपने जीवनभर न सुनी होगी। राजा, तेनालीराम के घर अक्सर जाया करते थे तो राजा बिना किसी हथियार के तेनालीराम के घर पहुंच गये। राजा को आता देख अचानक कनकराजू ने छुरे से उन पर वार कर दिया। इससे पहले कि छुरे का वार राजा को लगता, उन्होंने कसकर उसकी कलाई पकड़ ली। उसी समय राजा के अंगरक्षकों के सरदार ने कनकराजू को पकड़ लिया और वहीं उसे ढेर कर दिया। कानून के अनुसार, राजा को मारने की कोशिश करने वाले को जो व्यक्ति आश्रय देता था, उसे मृत्युदंड दिया जाता था। तेनालीराम को भी मृत्युदंड सुनाया गया। उसने राजा से दया की प्रार्थना की। राजा ने कहा कि मैं राज्य के नियम के विरुद्ध जाकर तुम्हें क्षमा नहीं कर सकता। तुमने उस दुष्ट को अपने यहां आश्रय दिया। तुम कैसे मुझसे क्षमा की आशा कर सकते हो। हां, यह हो सकता है कि तुम स्वयं फैसला कर लो, तुम्हें किस प्रकार की मृत्यु चाहिए, मुझे बुढ़ापे की मृत्यु चाहिए, महाराज। तेनालीराम ने कहा। सभी आश्चर्यचकित थे। राजा हंसकर बोले, इस बार भी बच निकले तेनालीराम।

6 अंतर खोजें

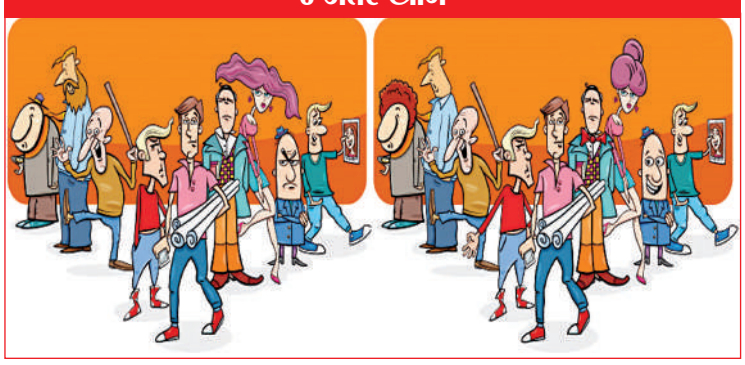

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — मेष राशि के जातक आज जीवन में नई ताकत व स्फूर्ति लाने का प्रयास करेंगे। पति-पत्नी के बीच तालमेल बना रहेगा। आज का दिन लव लाइफ के लिए नार्मल रहेगा।

वृषभ — पार्टनर से आपको खूब प्यार मिलेगा। पार्टनर की सेहत की चिंता रहेगी। सिंगल लोगों के लिए आज का दिन अच्छा साबित होगा। आज रिलेशनशिप को आगे बढ़ा सकेंगे।

मिथुन — प्रेम संबंधों का बनाए रखने के लिए कुछ बातें इग्नोर करनी पड़ेगी। आज पार्टनर की कोई बात बुरी लग सकती है। ऑफिस में कार्यभार अधिक होने से मानसिक परेशानी होगी।

कर्क — एक्स्ट्रा अफेयर शुरू होने की संभावना बन रही है। पार्टनर के साथ ज्यादा समय बीताने की कोशिश करेंगे। आपको कई अच्छे प्रपोजल मिल सकते हैं।

सिंह — पार्टनर के साथ वाद-विवाद हो सकता है। लव लाइफ में खुशी और तालमेल रहेगा। मानसिक तनाव परेशान कर सकता है। प्रेमी की सेहत को लेकर चिंता रहेगी।

कन्या — अफवाह पर ध्यान ना दें। पार्टनर की बात समझें। प्रेमी के मन का ख्याल रखें। पार्टनर की कोई बात आपको परेशान कर सकती है। इससे दोनों के बीच तनाव बढ़ सकता है।

तुला — पति-पत्नी के बीच प्यार बढ़ेगा। अविवाहित लोगों को शादी के लिए प्रपोजल मिल सकता है। अपने से ज्यादा उम्र वाले किसी इंसान की और आप आकर्षित भी हो सकते हैं।

वृश्चिक — कोई छोटी बात आपको ज्यादा परेशान कर सकती है। यदि आप किसी के साथ रिलेशनशिप में हैं तो आज आपको खूब रोमांस करने का मौका मिलेगा। पति-पत्नी के बीच अनबन हो सकती है।

धनु — पति-पत्नी के बीच मन-मुटाव हो सकता है। अविवाहित लोगों को शादी का प्रपोजल मिल सकता है। प्रेमी से अपनी बात मनवाने की कोशिश ना करें।

मकर — आज के दिन लव लाइफ सामान्य रहेगी। इससे जुड़ा कोई बड़ा फैसला ना लें। आपकी किसी बात से पार्टनर परेशान हो सकता है। सिंगल लोगों को शादी का प्रपोजल मिल सकता है।

कुम्भ — पति-पत्नी के बीच समय की कमी हो सकती है। आज आपकी मनोकामना पूरी हो सकती है। आज के दिन लव लाइफ में आ रही परेशानी दूर होंगी।

मीन — आज की शाम पार्टनर के साथ बाहर बिताएं। इससे नीरसता खत्म होगी। किसी दोस्त से संबंध मजबूत हो सकते हैं। कुछ लोग प्यार को शादी में बदलने का मन बना सकते हैं।

घर का खाना खिलाकर

प्रभास ने जीता बिग बी का दिल

बॉलीवुड | गपशप

अमिताभ बच्चन इन दिनों बाहुबली प्रभास के साथ अपनी नई फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। प्रोजेक्ट के नाम की इस फिल्म में दोनों पहली बार साथ नजर आने वाले हैं। अमिताभ और प्रभास की ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री का तो पता नहीं लेकिन दोनों की ऑफ स्क्रीन केमिस्ट्री बेहद बढ़िया हो गई है। प्रभास ने अमिताभ बच्चन का दिल जीत लिया है। इसी बारे में बिग बी ने एक ट्वीट कर बताया है। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ट्विटर पर काफी एक्टिव हैं। वह अपनी लाइफ से जुड़ी बातें तो शेयर करते ही हैं, साथ ही को-एक्टर्स की तारीफ करने में भी पीछे नहीं रहते। अब बिग बी ने बताया है कि कैसे प्रभास उन्हें बेहद स्वादिष्ट घर का खाना खिला रहे हैं। साथ ही उनकी तारीफों के पुल भी बांध रहे हैं। प्रभास के इस अंदाज से अमिताभ काफी इम्प्रेस हो गए हैं। बिग बी ट्वीट में लिखते हैं, बाहुबली प्रभास।। आपकी उदारता मापी नहीं जा सकती।। आप मेरे लिए घर का बना खाना लाते है।। जो बेहद स्वादिष्ट है।। आप मुझे इतना सारा खाना भेज देते हैं कि उससे एक आर्मी का पेट भरा जा सकता है। खास कुकी, जो लाजवाब होती है। और आपकी तारीफें जो मैं पचा नहीं पाता।

पहले दिन साथ में शूटिंग करने के बाद प्रभास और अमिताभ बच्चन ने एक दूसरे की तारीफ में सोशल मीडिया पोस्ट लिखे थे। अमिताभ ने प्रभास को टैलेंटेड बताया था और प्रभास ने कहा था कि अमिताभ के साथ काम करने पर उनका सपना सच हो गया है। प्रोजेक्ट के की बात करें तो इसमें प्रभास और अमिताभ के साथ दीपिका पादुकोण नजर आएंगी। डायरेक्टर नाग आश्विन इस फिल्म को बता रहे हैं। यह भारत में बनने वाली सबसे महंगी फिल्मों में से एक है। अमिताभ बच्चन के पास प्रोजेक्ट के के अलावा गुडबाय, ब्रह्मास्त्र, रनवे 34 जैसी बढ़िया फिल्में हैं।

द कश्मीर फाइल्स

हिलाकर रख देगी कश्मीरी पंडितों की दर्द भरी दास्तां

इंतजार हुआ खत्म.....बॉलीवुड एक्टर अनुपम खेर की मोस्ट अवेटेड फिल्म द कश्मीर फाइल्स का ट्रेलर सामने आ चुका है, जिसने सबको अंदर तक हिला कर दिया है। दर्शक इस फिल्म का काफी लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। दर्शकों के इंतजार पर पूर्ण विराम लगाते हुए फिल्म के निर्देशक ने इसका ट्रेलर आउट कर दिया है द कश्मीर फाइल्स की शुरुआत कश्मीर विद्रोह के कारण 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों के पलायन के दर्द से होती है। द ताशकेंट फाइल्स में पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की मौत के रहस्य की कहानी दिखाने के बाद फिल्म के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री फिर से सच्ची कहानी पर आधारित चौंकाने और रोंगटे खड़ी कर देने वाली फिल्म लेकर वापस आ गए हैं।

द कश्मीर फाइल्स की शुरुआत कश्मीर विद्रोह के कारण 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों के पलायन के दर्द से होती है। साथ ही दर्शकों फिल्म में दर्शकों को 1990 के दशक में कश्मीर में फैले आतंक, भ्रम और दहशत की एक झलक देखने को मिलेगी। यह फिल्म कश्मीरी नरसंहार की दर्द भरी और इमोशनल तस्वीर पेश करती है। ट्रेलर देखते समय आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने बताया कि इस कहानी को पर्दे पर उतारना कोई आसान काम नहीं था, क्योंकि कश्मीरी पंडितों का पलायन भारतीय राजनीति का एक अहम और संवेदनशील मुद्दा है। ट्रेलर देखने के बाद अब दर्शक फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

सिजेन खान इसी साल गर्लफ्रेंड अफशीन संग करेंगे शादी

टी वी सीरियल कसौटी जिंदगी की के अनुराग यानी सिजेन खान को अपने किरदार के लिए आज भी याद किया जाता है। वो लगभग 3 साल से अपनी लेडी लव अफशीन को डेट कर रहे हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने शादी के प्लान के बारे में बताया है। उनका कहना है कि वो इसी साल यानी 2022 में शादी करने वाले हैं। ई-टाइम्स से बात करते हुए सिजेन खान कहते हैं कि हम तीन साल से साथ हैं और खुश हैं। अगर ये महामारी नहीं होती, तो हम अब तक शादी कर लेते। हम इस साल के अंत में शादी के बंधन में बंधने की योजना बना रहे हैं। वैसे भी मुझे लगता है कि, शादी करने की कोई परफेक्ट उम्र नहीं होती। इंटरव्यू में जब सिजेन खान से पूछा गया कि, अफशीन से मिलने तक वो सिंगल क्यों रहे? इसके बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं शादी करने की जल्दी में नहीं होना चाहता था। मैं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश में था, जो ईमानदार हो। कोई अच्छे मूल्यों वाला या जो हमारे रिश्ते का सम्मान करेगा और फिर मैं अफशीन से मिला। अपने आने वाले शो अपनापन बदलते रिश्तों का बंधन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा मैं खुश हूं कि मेरी वापसी के बाद मुझे भूमिकाएं मिलीं। अब मैं अपने नए शो का इंतजार कर रहा हूं, यह माता-पिता और उनके बच्चों के साथ उनके संबंधों के इर्द-गिर्द घूमता है। मैं शो में एक अमीर व्यवसायी की भूमिका निभा रहा हूं, जिसके पास अपने बच्चों के लिए कम समय होता है। यह शो इस विचार के इर्द-गिर्द घूमता है कि, माता-पिता को अपने बच्चों को प्यार और अच्छी परवरिश देने में समान रूप से शामिल होना चाहिए।

यहां चल रहा मरे हुए लोगों को दोबारा जिंदा करने का एक्सपेरिमेंट

विज्ञान ने बहुत तरक्की कर ली है। वैज्ञानिक कई तरह के प्रयोग करते रहते हैं और कई बार तो प्रकृति से भी टक्कर लेने की कोशिश करते हैं। हालांकि उनको इसका खामियाजा भी भुगतना पड़ता है। जिंदगी और मौत ऊपर वाले के हाथ में होती है। जब किसी की मौत का वक्त आता है तो उसे कोई नहीं बचा पाता और अगर किसी की जिंदगी बाकी होती है तो बड़े से बड़े हादसे में उसे खरोंच तक नहीं आती। इस बीच सोशल मीडिया पर अमरीका के एक ऐसे लैब की तस्वीरें आई हैं, जिसके बारे में दावा किया जा रहा है कि यहां लाशों को जिंदा करने का काम चल रहा है। विज्ञान ने काफी तरक्की की है और कई तकनीकों का ईजाद किया है। इस बीच एक ऐसे एक्सपरीमेंट की चर्चा का विषय बनी हुई है, जिसके बारे में जानकर हरकोई हैरान है। बताया जा रहा है कि इस तकनीक के जरिए मरे हुए लोग को वापस जिंदा किया जा सकेगा। वैज्ञानिक लैब में एक ऐसी तकनीक ढूंढ रहे हैं, जिसके जरिए मर चुके लोगों को वापस जिंदा किया जा सकेगा। इमरीका में इस तकनीक को क्रायोनिक्स कहते हैं। एरिजोना में बने एक लैब में इस तकनीक के जरिए लोगों को जिंदा करने की उम्मीद में कई लाशें स्टोर कर रखी गई हैं। इनमें कई अमीर लोगों की लाशें शामिल हैं, जिन्होंने अपनी मौत से पहले दोबारा जिंदा होने की उम्मीद में अपनी डेड बॉडी लैब के हवाले कर दी थी। इन लोगों को दोबारा से जिंदा होने की उम्मीद थी। इसलिए उन्होने अपनी डेड बॉडी को सहेजने के लिए लैब के हवाले कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, क्रायोनिक्स तकनीक में डेड बॉडी को बेहद ठंडे तापमान में रखा जाता है। इससे मरने के काफी सालों बाद तक बॉडी सुरक्षित रहती है और उसे कोई नुकसान नहीं होता। माना जा रहा है कि जब कभी भविष्य में जिंदा करने वाली तकनीक आ जाएगी तो इन लाशों को दोबारा से जिंदा कर दिया जाएगा। इसी उम्मीद में इन्हें स्टोर किया जा रहा है। इस तकनीक को लेकर एक्सपर्ट्स का कहना है कि आज से सौ साल पहले चांद पर जाना नामुमकिन लगता था, लेकिन आज ऐसा हो चुका है। ऐसे में ये उम्मीद करना कि कोई तकनीक मरे हुए को जिन्दा कर देगी, गलत नहीं है।

अजब-गजब | पर्यटक जमकर लेते हैं सफर का आनंद

इस ट्रैक पर बादलों के बीच दौड़ती हैं ट्रेन

दुनिया में तमाम रेल मार्ग अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं। जिनमें रूस का ट्रांस साइबेरियन रेलमार्ग, भारत का दार्जिलिंग रेलमार्ग और कालका-शिमला रेलमार्ग अपनी नैसर्गिक खूबसूरती के लिए बहुत लोकप्रिय है। जो सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इन्हीं में से एक रेलमार्ग है अर्जेंटीना में। जिसका नाम है साल्टा रेलमार्ग। ये रेलमार्ग दुनिया के सबसे अद्भुत रेलमार्गों में शामिल है। ये रेलमार्ग बादलों के बीच से गुजरता है, यानि इस रेलमार्ग पर सफर करने वाले यात्री बादलों के बीच से सफर करते हुए गुजरते हैं। यही नहीं इस रेलमार्ग पर आपको तमाम ऐसे दृश्य देखने को मिल जाएंगे जो आपको रोमांचित कर देंगे। और आपको इन्हें देखकर अपनी आंखों पर यकीन नहीं होगा। तो चलिए आज हम आपको इस रेलमार्ग के बारे में विस्तार से बताते हैं।

दरअसल, अर्जेंटीना में समुद्र तल से चार हजार मीटर की ऊंचाई पर एंडीज पर्वत श्रृंखला से एक ऐसी ही ट्रेन गुजरती है जिसे 'ट्रेन टू द क्लाउड' कहा जाता है। यह रेल लाइन दुनिया के सबसे ऊंचे रेल रूटों में से एक है। यह ट्रेन जब कुछ खास इलाकों से गुजरती है तो ऐसा मालूम पड़ता है कि यह बादलों को चीर कर आगे बढ़ रही है। क्यों कि जब ट्रेन पहाड़ों के बीच से गुजर रही होती है तब रेलवे लाइन को दोनों ओर भारी बादल छाए हुए होते हैं।

इस रेलवे लाइक की शुरुआत अर्जेंटीना के शहर सिटी ऑफ साल्टा से होती है। इसकी ऊंचाई 1,187 मीटर है। यह रेलमार्ग वैली डी लेर्मा से गुजरते हुए व्रब्रेडा डेल टोरो से ला पोल्वोरिला वियाडक्ट पर खत्म होता है। जो 4200 मीटर की ऊंचाई पर है।

217 किलोमीटर का सफर तय करने में इस ट्रेन को 16 घंटे का समय लगता है। इस दौरान ट्रेन 3000 मीटर की दुर्लभ चढ़ाई भी चढ़ती है। इस रेलवे मार्ग में ट्रेन 29 पुल और 21 टनल को क्रॉस करती है।

बता दें के अर्जेंटीना के इस रेलमार्ग का निर्माण 1920 में किया गया था। इस प्रोजेक्ट के हेड अमेरिकी इंजीनियर रिचर्ड फोन्टेन मरे थे। दुनिया भर से लाखों सैलानी हर साल इस रेल मार्ग का आनंद उठाने के लिए अर्जेंटीना आते हैं और सफर के दौरान जमकर फोटोग्राफी कर जमकर मस्ती करते हैं।

प्रदेश में चल रही भाजपा की लहर बदलेगी सुनामी में : शाह

» हाईकोर्ट ने दखल नहीं दिया होता तो सारे आतंकी हो जाते मुक्त

» आतंकवाद के मुद्दे पर कांग्रेस और सपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पीलीभीत। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को पीलीभीत में आयोजित जनसभा में कांग्रेस, सपा और बसपा पर सियासी वार किए। उन्होंने कहा कि तीन चरण के चुनाव में सपा-बसपा का सूपड़ा साफ हो गया है। कांग्रेस दूरबीन लेकर भी नहीं दिखाई पड़ती है। भाजपा की लहर है और सातवां चरण आते-आते यह लहर सुनामी में बदल जाएगी।

गृहमंत्री ने कहा कि प्रियंका गांधी कहती हैं कि आतंकवाद फिजूल की बात है। उनकी पार्टी के नेता सलमान खुर्शीद कहते थे कि अहमदाबाद के बम धमाकों में सिमी के लोग जो पकड़े गए वे बेगुनाह हैं। उनको छोड़ देना चाहिए। यह कांग्रेस पार्टी का चरित्र है। समाजवादी पार्टी जब सत्ता में आई, तब संकट मोचन मंदिर पर हमला हुआ था। कई निर्दोष लोग मारे गए। लखनऊ में बम धमाका हुआ था। इसमें शामिल चार आरोपियों को छोड़ने का वादा अखिलेश यादव ने घोषणा पत्र में किया था। वह तो हाईकोर्ट ने दखल दिया तो रुक गया वरना सारे आतंकवादी मुक्त हो जाते। उन्होंने जनता से सवाल किया कि वोट के लालच में जो देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करते हैं क्या ऐसे लोगों को वोट देना चाहिए? उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और समाजवादी पार्टी ने मिलकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ी जा रही लड़ाई को कमजोर करने का काम किया है। भाजपा देश के साथ है और आतंकवाद के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने देश को सुरक्षित करने का काम किया। सपा-बसपा के समर्थन से सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह की सरकार चलती थी। आए दिन पाकिस्तानी आलिया, मालिया, जमालिया घुस जाते थे और हमारे जवानों के सिर काट कर ले जाते थे। दिल्ली की सरकार चुप रहती थी लेकिन जब मोदी की सरकार आई तब सर्जिकल स्ट्राइक करके पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों का सफाया किया। इस देश को सुरक्षित रखने का काम भाजपा और नरेंद्र मोदी सरकार ही कर सकती है।

अनुप्रिया पटेल ने प्रत्याशी के समर्थन में निकाली रैली

» कहा, विकास के लिए भाजपा है जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फतेहपुर। फतेहपुर जिले के बिंदकी में अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए गठबंधन के अपना दल प्रत्याशी जैकी को वोट करें। अनुप्रिया पटेल ने सोमवार को दीवान का पुरवा में भाजपा गठबंधन अपना दल के प्रत्याशी जयकुमार सिंह जैकी के पक्ष में सभा को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि जैकी ने जहानाबाद विधान सभा में अपने कार्यकाल के दौरान जनता के बीच रहकर लोगों की सेवा और क्षेत्र का अभूतपूर्व विकास किया है। वहीं प्रदेश के विकास के लिए भाजपा की सरकार बनाना आवश्यक है। जनसभा के पूर्व क्षेत्र में विशाल रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस मौके पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष मधुराज विश्वकर्मा, वीरेंद्र दुबे और आशीष तिवारी मौजूद रहे।

यूपी में मौका मिला तो दिल्ली की तर्ज पर करेंगे काम : केजरीवाल

» देंगे मुफ्त बिजली, पानी और महिलाओं को एक हजार रुपये

» बाराबंकी में भाजपा और कांग्रेस पर बरसे दिल्ली के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यूपी में मौका मिला तो दिल्ली की तर्ज पर काम किया जाएगा। उन्होंने दिल्ली की स्वास्थ्य, शिक्षा व्यवस्था देखने के लिए यहां के लोगों को न्योता भी दिया और दावा किया कि पिछले सात-आठ सालों में दस लाख लोगों को नौकरी दी है। उन्होंने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि मोदी ने ईडी से लेकर सीबीआई तक के छापे हमारे यहां डलवाए लेकिन उनको कुछ नहीं मिला। केजरीवाल सोमवार को रामनगर के सूरतगंज कस्बे में पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने भाजपा-कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों पार्टी के नेता हमें आतंकवादी कहते हैं, क्या हम आतंकवादी हैं? उन्होंने कहा कि हम सरकार का हिस्सा बने तो जितने वादे किए हैं, सभी पूरे किए जाएंगे। दिल्ली में पिछले साल 3 लाख 70 हजार बच्चों ने निजी स्कूलों से नाम कटवाकर सरकारी स्कूलों में दाखिला लिया है। जनता से सवाल किया कि यूपी में सरकारी स्कूल कैसे हैं? उन्होंने यूपी में मुफ्त बिजली, महिलाओं को प्रति माह एक हजार रुपये, मुफ्त इलाज, युवाओं को नौकरी, बेरोजगारी भत्ता के साथ ही दिल्ली मॉडल के तर्ज पर काम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व कांग्रेस नेता राहुल गांधी कहते हैं कि केजरीवाल आतंकवादी है। क्या कोई आतंकवादी स्कूल और अस्पताल बनवाता है? गाजियाबाद में रहने वाला एक कवि कहता है, मैंने सपने में देखा केजरीवाल आतंकवादी हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ऐसी बातें कर सकता है लेकिन पीएम ऐसी बात करे यह शोभा नहीं देता।

फोटो :4 पीएम

मतदाताओं को किया जागरूक

लखनऊ। महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय के तत्वावधान और प्राचार्य डॉ. सुमन गुप्ता के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं स्वीप समिति ने नगर में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया। जागरूकता अभियान के अंतर्गत रैली का आयोजन किया गया, जिसमें स्वीप समिति के सदस्य एवं छात्राएं शामिल हुईं।

तालाब में उतराता मिला मां-बेटी व बेटे का शव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलरामपुर। कोतवाली क्षेत्र उतरौला के तिसाह गांव में मां-बेटी व बेटे का शव संदिग्ध हालात में तालाब में उतराता मिला। पुलिस ने प्रथम दृष्टया मामले को आत्महत्या मान शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पिता ने पुलिस को तहरीर देकर बेटी को मानसिक रूप से बीमार बताया और कोई कार्रवाई न किए जाने की मांग की है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। ग्राम कांटा तिराहा बनगवां निवासी सिराज अहमद ने बताया कि उसने अपनी पुत्री रेशमा (35) की शादी 12 वर्ष पूर्व ग्राम तिसाह केरावगढ़ निवासी हारून से की थी। हारून रोजगार के सिलसिले में बाहर रहते हैं। रेशमा की दिमागी हालत दो सालों से ठीक नहीं थी। उसका इलाज भी चल रहा था। सोमवार भोर में रेशमा बेटी शिफा (6) व बेटा हादी (3) के साथ घर से निकली थी। कुछ देर बाद ग्रामीणों ने तीनों का शव तालाब में उतराता देखा।

बस खाई में पलटी, सीआईएसएफ के 17 जवान घायल

» चुनाव ड्यूटी पर लखीमपुर जा रहे थे जवान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। अनियंत्रित रोडवेज बस ओवरब्रिज के पास सड़क किनारे करीब 10 फिट गहरी खाई में जा गिरी। सीतापुर-लखीमपुर रोड पर हुए इस हादसे में सीआईएसएफ के 17 जवान घायल हुए। ये सभी शिकोहाबाद में चुनाव कराकर लखीमपुर ड्यूटी में जा रहे थे। हादसे की सूचना पर पुलिस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया। बाद में आठ जवानों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

सीआईएसएफ के 39 जवान सीतापुर डिपो की बस से लखीमपुर चुनाव ड्यूटी में जा रहे थे। जवानों को ले जा रही यह बस रात करीब नौ बजे हरगांव कस्बे को पार कर ओवरब्रिज के आगे सड़क किनारे खाई में पलट गई। राहगीरों व साथी जवानों ने घायलों को बाहर निकाला। सूचना पुलिस को दी गई। कमांडेंट आनंदमणि ने बताया कि हादसे में 17 जवान घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। घायलों में सूरज कुमार, विनय कुमार, बृजमोहन, बूटा सिंह, विजय, कीर्ति सिंह, दानेश्वर दयाल, रामनरेश, एके भौमिक, मनोज कुमार, अतुल कुमार, आनंद कुमार व जसपाल सिंह समेत अन्य शामिल हैं। बस पलटने के बाद सीआईएसएफ के जवानों ने खुद ही जिम्मेदारी संभाल ली। जवानों ने ही घायल साथियों और बस में रखे सामान को बाहर निकाला। साथ ही सड़क पर पहुंचकर सुरक्षा की जिम्मेदारी भी संभाल ली।

बेरोजगारी भत्ता नहीं, उपलब्ध कराएंगे रोजगार : मायावती

» बसपा की सरकार बनी तो लागू करेंगे पुरानी पेंशन योजना

» सपा, भाजपा और कांग्रेस पर जमकर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। यूपी विधान सभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए 27 फरवरी को होने वाले मतदान के लिए बसपा सुप्रीमो मायावती ने उम्मीदवारों के समर्थन ने सोमवार को प्रयागराज में जनसभा की। उन्होंने भाजपा, सपा और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दलितों का हमेशा से शोषण हो रहा है, कांग्रेस जब सत्ता में थी तो इन वर्गों का उत्थान उसे याद नहीं आया। अब उसे महिलाओं की याद आई है। सरकार रहते कभी भी महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए कुछ नहीं किया।

उन्होंने कहा कि सपा की सरकार में गुंडे माफिया हावी रहे। जमीन पर कब्जे होते रहे, सरकार देखती रही। माफिया को सरकार का शह मिलता रहा। अखिलेश सरकार में जातिवादी राजनीति देखने को मिली। बसपा सरकार की योजनाओं को बंद कर दिया गया। एससी-एसटी बच्चों को विदेश जाकर पढ़ाई करने की सुविधा को रोक दिया गया। संत रविदास नगर का नाम बदलकर भदोही किया गया। सपा दलित विरोधी है। मायावती ने कहा कि भाजपा की सरकार आरएसएस के संकीर्ण एजेंडे पर चल रही है। बसपा की सरकार बनी तो पुरानी पेंशन योजना को लागू किया जाएगा। बेरोजगारों को भत्ता नहीं बल्कि उन्हें रोजी रोटी उपलब्ध कराई जाएगी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मकान संख्या 136/16 दुर्गेशगंज (दुर्विजयगंज), सहादतगंज, लखनऊ क्षेत्रफल 480 वर्गफिट को पंडित बद्री प्रसाद पुत्र बल्देव प्रसाद ने 11.05.1938 दस्तावेज संख्या-1331 को क्रय किया था जिसमें क्षेत्रफल का वर्णन नहीं है एवं इनके निधन के बाद पुत्र दुर्गा प्रसाद मिश्रा को उपरोक्त भवन पारिवारिक बंटवारे में प्राप्त हुआ था एवं दुर्गा प्रसाद मिश्रा ने एक पंजीकृत वसीयत क्रमांक 132 दिनांक 15.04.2010 को उपनिबंधक-द्वितीय, लखनऊ दफ्तर में निबंधित किया था। उपरोक्त वसीयत के आधार पर दुर्गा प्रसाद मिश्रा के निधन के उपरान्त उनके पुत्र रमाकांत मिश्रा उपरोक्त भवन के तनहा मालिक कामिल काबिज हुये। अब रमाकांत मिश्रा उपरोक्त भवन को ऊषा पत्नी राजकुमार खत्री, शालिनी पत्नी सतीश एवं संतोष देवी पत्नी फकीरचंद को विक्रय कर रहे हैं एवं क्रेतागण शुभम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा लखनऊ से गृह ऋण ले रहे हैं। यदि किसी व्यक्ति को कोई अपत्ति हो तो 07 दिन के अन्दर निम्न से सम्पर्क करें।

- मृगेंद्र बहादुर सिंह
अधिवक्ता, शुभम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
मो0 -9415542801, 6394317537
आफिस/निवास- ईडब्लूएस-209 - 210 सेक्टर-जी, जानकीपुरम, लखनऊ ।

सुल्तानपुर में डिप्टी सीएम केशव मौर्य की जनसभा का बहिष्कार

» विवादों की भेंट चढ़ गया पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार

» जिपंअ पति को मंच पर जगह नहीं मिलने से समर्थक भड़के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पांचवें चरण में होने वाले मतदान को लेकर जहां सत्ता पक्ष विपक्षी दलों के ऊपर हमलावर हैं। वहीं आज सुल्तानपुर के इसौली विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी ओमप्रकाश पाण्डेय उर्फ बजरंगी के पक्ष में यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की जनसभा का अपने ही नेताओं ने बहिष्कार कर दिया। जिला पंचायत अध्यक्ष पति को मंच पर जगह नहीं मिलने से समर्थक भड़क उठे, ऐसे में डिप्टी सीएम का कार्यक्रम विवादों की भेंट चढ़ गया।

दरअसल इसौली में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में डिप्टी सीएम की जनसभा थी। केशव मौर्य द्वारा पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार किया जाना था। जहां पर मामला उस वक्त बिगड़ गया जब केशव मौर्य मंच पर पहुंचे तो भारतीय जनता पार्टी की जिला पंचायत अध्यक्षा ऊषा सिंह के पति भाजपा ब्लॉक प्रमुख शिव कुमार सिंह को डिप्टी सीएम के सिक्योरिटी ने पार्टी पदाधिकारियों के कहने पर मंच पर ही नहीं चढ़ने दिया।

यह तिरस्कार देख शिव कुमार सिंह ने अपने समर्थकों समेत डिप्टी सीएम के कार्यक्रम का बहिष्कार करते हुए वहां से निकल गए। बहरहाल पार्टी प्रत्याशी द्वारा मनाने की लाख कोशिशें की जाने लगी लेकिन नतीजा सिफर रहा। फिलहाल ओमप्रकाश पांडे बजरंगी के लाख मान मनौव्वल के बावजूद भी जिला पंचायत अध्यक्ष पति शिव कुमार सिंह मंच पर जगह न मिलने के चलते खफा दिखे और अपने हजारों कार्यकर्ताओं को लेकर बेरंग लौट लिए। वहीं उप मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान हुए इस कांड ने चर्चा का बाजार गर्म कर दिया है। उधर विपक्ष इस मामले पर हमलावर है। विपक्ष ने इस पर कहा कि भाजपा में गुंडागर्दी है, बदनाम विपक्ष को करते हैं। सूत्र बताते हैं कि शिव कुमार सिंह इस मामले पर खफा दिखते नजर आ रहे हैं। जहां शीर्ष नेतृत्व द्वारा यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य को स्टार प्रचारक के रूप में खोई हुई जमीन को तरासते हुए साधने का मूल मंत्र देने के लिए इसौली भेजा था। वहीं दूसरी तरफ खोई हुई जमीन पर आपसी खेमेबंदी ने संगठन में ही सेंध लगा दी, जिससे केशव मौर्य की जनसभा फ्लॉप शो बनकर रह गई। संगठन के पदाधिकारी बताते हैं कि जिला पंचायत अध्यक्ष पति व ब्लॉक प्रमुख शिव कुमार सिंह इसौली विधानसभा सीट से भाजपा के प्रबल दावेदार माने जाते थे लेकिन डिप्टी सीएम केशव के करीबी होने के चलते ओम प्रकाश पांडे बजरंगी को एक बार फिर भाजपा नेतृत्व ने विधानसभा का प्रत्याशी घोषित कर दिया। ऐसे में आपसी प्रतिद्वंद्विता भाजपा के लिए कड़ी चुनौती है और इससे पार पाना आसान नहीं होगा।

नौजवान व किसान विरोधी है योगी सरकार : स्वामी प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी छोड़कर सपा में शामिल हुए पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने रायबरेली में पीएम मोदी और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ पर जमकर तीखे प्रहार किए। उन्होंने अहमदाबाद ब्लास्ट पर पीएम मोदी के बयान पर कहा अगर अभी तक आतंकवादी जिंदा हैं तो मोदी-योगी को चुल्लू भर पानी में डूब कर मर जाना चाहिए। बता दें कि स्वामी प्रसाद मौर्य स्टार प्रचारक के रूप में सपा में काम कर रहे हैं। इसके अलावा सदर विधानसभा प्रत्याशी के समर्थन में स्वामी प्रसाद मौर्या ने आरपी यादव को जिताने की अपील की।

» सपा नेता ने भाजपा को घेरा, कहा झूठी है यह सरकार

उन्होने कहा कि भाजपा झूठों और मक्कार लोगों की पार्टी बन कर रह गई है। जो इनका साथ देते हैं उनको ही यह किनारे लगा देते हैं। जो भी नौकरी निकली वह इनके अपनों को दी गई। योगी प्रदेश में और मोदी केंद्र में हैं। फिर भी आतंकवादी जिन्दा हैं तो दोनो लोगों को चुल्लू भर पानी में डूब कर मर जाना चाहिए। भाजपा की नीतियों से व्यापारी वर्ग त्रस्त हैं। मोदी जी को सिर्फ गुजरात के ही व्यापारी दिखाई देते हैं। भाजपा की सरकार से विदाई होने जा रही है। अब शेखचिल्ली बघारना बन्द करो। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा योगी सरकार नौजवान किसान विरोधी है, इसके साथ ही आरक्षण की भी विरोधी है। यह सरकार संविधान की भी विरोधी है। योगी सरकार का पाप का घड़ा भर चुका है। उन्होंने कहा कि 10 मार्च को भाजपा की विदाई तय है। इसलिए इनके बहकावे में न आए। सपा की सरकार बनने पर जनता से किए गए सारे वादे पूरे होंगे। इसके अलावा हर गरीब को पक्की छत भी दी जाएगी, ताकि गरीबों को आशियाना मिल सके।

लखनऊ के अस्पतालों में कल बंद रहेगी ओपीडी, इमरजेंसी में ही मिलेगा इलाज

» ऑन कॉल ड्यूटी पर रहेंगे डॉक्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में कल चौथे चरण का मतदान होना है। इस नाते बुधवार को सार्वजनिक अवकाश रहेगा। अस्पतालों की ओपीडी बंद रहेगी। इमरजेंसी में मरीजों को इलाज मिलेगा। इसको लेकर अस्पतालों में अलर्ट जारी किया गया है। डॉक्टर-कर्मचारियों की टीम मरीजों को इलाज मुहैया कराएंगे।

केजीएमयू, पीजीआई, लोहिया संस्थान, बलरामपुर, रानी लक्ष्मीबाई, डफरिन, झलकारीबाई, सिविल व लोकबंधु समेत

सभी अस्पतालों की ओपीडी सेवाएं बंद रहेंगी। इमरजेंसी सेवाओं को पूरी क्षमता के साथ चलाया जाएगा। केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. सुधीर सिंह के मुताबिक ओपीडी सेवाएं बंद रहेगी। इमरजेंसी सेवाएं पूरी तरह से संचालित होंगी। इमरजेंसी ऑपरेशन थिएटर का संचालन होगा। लोहिया संस्थान के सीएमएस डॉ. राजन भटनागर ने बताया कि कोविड कंट्रोल रूम चालू रहेगा। इसके अलावा ओपीडी सेवा आधी क्षमता के साथ चलेंगी। वहीं इमरजेंसी सेवा पूरी तरह से चलती रहेंगी। साथ ही बेडों की क्षमता भी बढ़ाई गई है। बलरामपुर के सीएमएस डॉ. जीपी गुप्ता गुप्ता ने बताया कि बुधवार को चुनाव के मद्देनजर ओपीडी सेवाएं और डायलिसिस यूनिट सेवा बंद रहेगी। इमरजेंसी पूरी क्षमता के साथ चलेगी। डॉक्टर ऑन कॉल ड्यूटी पर रहेंगे। लोकबंधु अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी के मुताबिक ओपीडी सेवा बंद रहेगी। इमरजेंसी पूर्व की भांति चलती रहेंगी।

सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में देर रात बड़ा हादसा हो गया। चम्पावत हाईवे से जुड़ी डांडामीनार रोड पर एक मैक्स दुर्घटना का शिकार हो गई, जिसमें कई लोगों के मरने की खबर है।

अब तक 13 शव खाई से निकाले जा चुके हैं। रेस्क्यू ऑप्रेशन जारी है। दुर्घटना बुड़म से लगभग तीन किलोमीटर आगे हुई बताई जा रही है। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने हादसे पर शोक जताया है। जानकारी के अनुसार मैक्स वाहन संख्या-यूके 04,टीए-4712 में सवार सभी लोग टनकपुर के पंचमुखी धर्मशाला में हुई शादी से घर लौट रहे थे। अधिकांश मृतक लक्ष्मण सिंह के सगे संबंधी बताए जा रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस व रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई। 16 में से 13 लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। मृतकों में चार महिलाएं है।

भाजपा प्रत्याशी के बयान पर मचा बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हैं। प्रत्याशी एक दूसरे पर खूब हमलावर हैं। लेकिन कुछ प्रत्याशी ऐसे भी हैं जो अपने विवादित बयान के लिए जाने जाते हैं। इनमें से एक हैं डोमरियागंज सीट से बीजेपी के वर्तमान विधायक और प्रत्याशी राघवेंद्र सिंह, जिनका एक विवादित बयान सामने आया है।

यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल है। इस बार उन्होंने कहा कि जो हिंदू उन्हें छोड़कर किसी और को वोट देगा वो उनका डीएनए टेस्ट करवाएंगे कि उन्हें हिंदु का ही खून है या फिर मुसलमानों का भी खून है। सीएम योगी द्वारा गठित हिंदु युवा वाहिनी के यूपी इंचार्ज राघवेंद्र सिंह ने इससे पहले भी ऐसा ही विवादित बयान था जिसको लेकर उन पर एफआईआर दर्ज हुई थी। फिलहाल चुनाव आयोग को शिकायत की गई है। अब तक उन पर कोई एक्शन नहीं लिया गया है।

चौथे चरण में संवेदनशील क्षेत्रों पर लखनऊ पुलिस की कड़ी नजर

» मिली जुली आबादी वाले क्षेत्रों में चल रही सघन चेकिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। तीन चरणों का चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न कराने के बाद अब पुलिस की नजर चौथे चरण के संवेदनशील क्षेत्रों पर है। नौ जिलों के 59 विधानसभा क्षेत्रों में पुलिस का कड़ा पहरा होगा। इसके लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, पीएसी व पुलिस के जवानों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। खासकर नौ जिलों की सीमाएं सील कराकर प्रभावी चेकिंग कराने के निर्देश दिए हैं। क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा।

विशेष रणनीति के तहत पुलिस ने अब तक ऐसे क्षेत्रों में कड़ा पहरा कायम रखा है। संदिग्ध व शरारती तत्वों की निगरानी बढ़ाने के साथ ही इंटरनेट मीडिया की मानीटरिंग भी बढ़ा दी गई है। संबंधित जिलों की

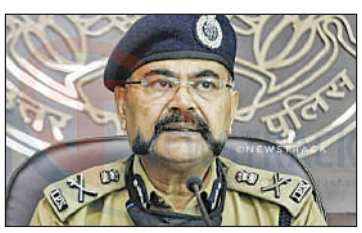

सोशल मीडिया सेल को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के साथ ही सोशल मीडिया सेंटर से समन्वय बढ़ाने के निर्देश दिए गए है। पुलिस सभी वायरल संदेशों पर नजर रख रही है। प्रचार थमने के बाद प्रत्याशियों व उनके समर्थकों पर भी नजर रखी जा रही है। एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार का कहना है कि 800 कंपनी केंद्रीय पुलिस को सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया जाएगा। पीएसी व पुलिस के जवानों को भी पूरी मुस्तैदी से ड्यूटी के निर्देश दिए गए हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।